

>

Title : Need to check spread of malaria in Chhattisgarh and provide adequate medical facilities to the people in the State.

डॉ. चरण दास महन्त (कोरबा): छत्तीसगढ़ के वनांचल, मरवाही, पेन्ड्रा, कोरिया जिला, कोरबा जिला, सरगुजा एवं बस्तर में मलेरिया महामारी का रूपधारण कर चुका है। मरवाही क्षेत्र में 47 स्कूली छात्रों की असमय मृत्यु हो चुकी है। कोरिया जिले में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष मौतों की संख्या में वृद्धि हुई है। कोरबा, बिलासपुर, सरगुजा एवं जांजगीर में मलेरिया से अनेक मौतें लगातार हो रही हैं। संवेदनशील क्षेत्र होने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग स्थिति की गंभीरता को लेकर सजग नहीं है। डी.डी.टी. पाउडर का छिड़काव बंद है। प्रशिक्षित तकनीशियनों की ड्यूटी न लगने के कारण पीड़ितों की जांच नहीं हो पा रही है जबकि 80 प्रतिशत लोगों में फेल्टीफेरम के लक्षण पाए गए हैं। प्रदेश का मलेरिया विभाग स्थिति को नियंत्रित करने में असमर्थ जान पड़ता है। कृपया प्रदेश शासन को निर्देशित किया जाये कि वनांचलों के आदिवासी एवं छात्रों को पर्याप्त स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करें।